**रैंकिंग : स्टैनफोर्ड की ग्लोबल एआइ वाइब्रेंसी रिपोर्ट**

# एआइ की दौड़ में भारत तीसरा सबसे काबिल खिलाड़ी

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
patrika.com

**सैनफ्रांसिस्को.** भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्लोबल एआइ वाइब्रेंसी टूल की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे प्रतिस्पर्धी एआइ देश बन गया है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारत वैश्विक एआइ दौड़ में एक मजबूत दावेदार बन चुका है।

इस रैंकिंग के अनुसार, अमरीका पहले स्थान पर है, जिसका स्कोर 78.6 है। चीन 36.95 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत ने 21.59 स्कोर हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह स्कोर यह दिखाता है कि भारत ने कई विकसित देशों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस जैसे देश शामिल हैं। यह साबित करता है कि देश एआइ के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

## एआइ वाइब्रेंसी स्कोर

| रैंक | देश | स्कोर |
|---|---|---|
| 1 | अमरीका | 78.6 |
| 2 | चीन | 36.95 |
| 3 | भारत | 21.59 |
| 4 | द. कोरिया | 17.24 |
| 5 | ब्रिटेन | 16.64 |
| 7 | स्पेन | 16.37 |
| 8 | यूएई | 16.06 |
| 9 | जापान | 16.04 |
| 10 | कनाडा | 15.56 |
| 13 | फ्रांस | 14.63 |

## रैंकिंग का पैमाना

**इसमें** रिसर्च-डेवलपमेंट, कुशल एआइ प्रतिभा की उपलब्धता, निवेश और उससे होने वाला आर्थिक प्रभाव, तकनीकी ढांचा, जनता की सोच और सरकार की नीतियों को शामिल किया जाता है। इनको ध्यान में रखकर एआइ के अनुकूल माहौल का अनुमान लगाया गया है।

## भारत की इकोनॉमी में होगी बड़ी भूमिका

**यह** रैंकिंग बताती है कि भारत में एआइ ग्रोथ के लिए उचित माहौल बन रहा है। यहां बड़ी संख्या में युवा तकनीकी प्रतिभाएं हैं, स्टार्टअप्स तेजी से बढ़ रहे हैं और सरकार भी डिजिटल और एआइ से जुड़ी नीतियों को बढ़ावा दे रही है। आने वाले समय में एआइ भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और तकनीकी विकास में बड़ी भूमिका निभा सकता है। यह उपलब्धि भारत के उज्ज्वल एआइ भविष्य की ओर कदम है।